

स्वास्थ्य राशि भविष्यफल 2021

डॉ.घनश्याम ठाकुर

मेष राशि

इस वर्ष मेष राशि के जातक अपने सेहत के प्रति सतर्क रहे तो अच्छा रहेगा। जनवरी में स्वास्थ्य पर विशेष असर पर सकता है। फरवरी में आपकी जीवनशैली में सुधारात्मक परिवर्तन होंगे। साल के अंतिम तीन महीना आपके लिए विशेष ध्यान देना की जरूरत होगी। इस समय बुखार, डेंगू, पेचिस, टॉयफाइड, कंजक्टिवाइसिस जैसे रोग हो सकते हैं। इस समय आप मानसिक तनाव से भी गुजरेंगे परन्तु इस तनाव को अपने ऊपर हावी न होने दें अन्यथा बिमारी विकार रूप ले सकती है। बिमारी से बचने के लिए “बजरंग बाण” का नियमित पाठ करे। आप सूर्य नमस्कार तथा अनुलोम-विलोम, कपालभाति प्रतिदिन करे आपका कल्याण होगा।

ज्योतिषीय उपाय

- सोने/तांबे की अंगूठी के साथ अपने दाहिने हाथ की अनामिका उंगली में मूँगा रत्न धारण करें। इससे आपको रक्त संबंधी विकारों से मुक्ति मिलेगी।
- गुदा से संबंधित रोगों से बचने के लिए अनंत मूल की जड़ धारण करना उचित रहेगा।
- प्रत्येक मंगलवार व शनिवार को सुंदरकांड का पाठ करें।
- साथ ही रोजाना बजरंग बाण का पाठ करना भी आपके लिए लाभकारी सिद्ध होगा।
- प्रतिदिन सूर्य देव को अर्घ्य देते हुए उन्हें नमस्कार करें।

वृषभ राशि

स्वास्थ्य राशिफल 2021 के अनुसार, वृषभ राशि के जातकों को इस साल अपनी सेहत पर सामान्य से अधिक ध्यान देने की आवश्यकता होगी, क्योंकि इस साल छाया ग्रह राहु-केतु आपकी राशि के क्रमशः प्रथम और सप्तम भाव में विराजमान रहेंगे, जिससे चलते आपकी सेहत में गिरावट दर्ज की जाएगी। इसके साथ ही साल की शुरुआत में मंगल ग्रह भी आपकी राशि के द्वादश भाव में गोचर करेंगे, और इस दौरान सूर्य और बुध की युति भी आपके अष्टम भाव में होगी, जो आपकी सेहत के लिए अच्छी नहीं देखी जाएगी। ऐसे में आपको कई स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं।

ज्योतिषीय उपाय

- सोने/चाँदी की अंगूठी के साथ अपने दाहिने हाथ की मध्यिका अनामिका उंगली में, उत्तम गुणवत्ता वाला हीरा अथवा ओपल रत्न धारण करें। आपको वैवाहिक जीवन में अच्छे फल प्रदान होंगे।
- हर शनिवार के दिन चीटियों को आटा डालें और गौ-माता की सेवा करें। आपको उत्तम फलों की प्राप्ति होगी।

मिथुन राशि

इस वर्ष मिथुन राशिफल 2021 के अनुसार स्वास्थ्य जीवन की दृष्टि से यह वर्ष थोड़ा कमजोर रहेगा, क्योंकि साल की शुरुआत में अष्टम भाव में शनि और गुरु बृहस्पति की युति तथा आपके छठे भाव में छाया ग्रह केतु की उपस्थिति आपकी सेहत से

जुड़ी समस्या पैदा कर सकती हैं। इस दौरान अपना खुद का ध्यान रखें और जितना संभव हो अपने खान-पान व रहन-सहन के प्रति सजगता दिखाएं।

इसके साथ ही अन्य ग्रहों की चाल भी, आपको रक्त और वायु से संबंधित रोग होने के योग दर्शा रही है, इसलिए वसायुक्त भोजन करने से परहेज करें और जितना संभव हो धूल भरी जगहों पर जाने से बचें। अन्यथा नेत्र रोग, अनिद्रा, जैसी बीमारियाँ आपके जीवन को प्रभावित करेंगी जिस पर आपका अच्छा खासा धन भी खर्च होगा और आपको मानसिक तनाव भी महसूस होगा।

ज्योतिषीय उपाय

- किसी भी बुधवार के दिन एक पक्षियों के जोड़े को पिंजरे से आज़ाद करें। इससे आपको सफलता प्राप्त होगी।
- अनामिका मुद्रिका में उत्तम गुणवत्ता वाला पन्ना रत्न धारण करने से भी, उत्तम फल मिलेंगे।
- निरंतर बुध ग्रह के बीज मंत्र “ॐ ब्रां ब्रीं ब्रौं सः बुधाय नमः” का 108 बार जाप करें। इससे कार्यक्षेत्र में आ रही हर समस्या दूर होगी।
- संभव हो तो लाल की जगह भोजन में हरी मिर्च का सेवन करें।

इसके साथ ही अन्य ग्रहों की चाल भी, आपको रक्त और वायु से संबंधित रोग होने के योग दर्शा रही है, इसलिए वसायुक्त भोजन करने से परहेज करें और जितना संभव हो धूल भरी जगहों पर जाने से बचें। अन्यथा नेत्र रोग, अनिद्रा, जैसी बीमारियाँ आपके जीवन को प्रभावित करेंगी जिस पर आपका अच्छा खासा धन भी खर्च होगा और आपको मानसिक तनाव भी महसूस होगा।

कर्क राशि

इस वर्ष स्वास्थ्य जीवन में कर्क राशि के लोगों को इस वर्ष विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता होगी क्योंकि शनि इस पूरे ही वर्ष आपकी राशि से सप्तम भाव में होंगे, जो आपकी राशि के सप्तम और अष्टम भाव के स्वामी हैं और आपके नवें और चौथे भाव को दृष्टि दे रहे हैं। इसके साथ ही गुरु बृहस्पति भी आपके सातवें भाव में बैठे होंगे। ऐसे में इन ग्रहों की स्थिति आपको कुछ स्वास्थ्य समस्याएं प्रदान करने का कार्य करेंगी। इस दौरान आपको विशेष सावधानी बरतनी होगी, अन्यथा परेशानी बढ़ सकती है।

वाहन चलाने वाले जातकों को भी वाहन चलाते समय सतर्कता बरतनी होगी, अन्यथा कोई दुर्घटना घट सकती है। 15 सितंबर से 20 नवंबर के मध्य स्वास्थ्य समस्याओं में स्थिति कुछ बेहतर होगी, लेकिन शारीरिक विकार बने रहेंगे। इस दौरान कार्य व्यवसाय और पारिवारिक जीवन का तनाव खुद पर हावी ना होने दें और समय-समय पर किसी अच्छे डॉक्टर की सलाह लेते रहें। घर से निकलते समय सही से भोजन करके ही निकलें और अपने पास साफ़ पानी की बोतल रखें।

ज्योतिषीय उपाय

- किसी भी सोमवार के दिन या चन्द्रमा की होरा पर उत्तम गुणवत्ता वाला मोती रत्न चाँदी की मुद्रिका में धारण करें। इससे आपको कार्यक्षेत्र में सफलता प्राप्त होगी।
- आपके लिए निरंतर बजरंग बाण का पाठ करना और श्री गणपति अथर्वशीर्ष का पाठ करना भी बेहद शुभ साबित होगा।
- मुमकिन हो तो रोजाना गुरु बृहस्पति के बीज मंत्र का 108 बार जाप करें। इससे आपको स्वास्थ्य कष्ट से मुक्ति मिलेगी।

सिंह राशि

इस वर्ष स्वास्थ्य की बात करें तो, सिंह राशिफल 2021 के अनुसार आपको इस वर्ष कई समस्याओं से दो-चार होना पड़ सकता है क्योंकि कर्मफल दाता शनि और बृहस्पति देव की आपकी राशि से छठे भाव में युति किसी बड़े रोग को जन्म दे सकती है। ऐसे में आपको इस दौरान विशेष सावधानी बरतनी होगी। आशंका है कि आपको बड़ी आँत या गुर्दे से संबंधित कोई समस्या उत्पन्न हो जाए। ऐसे में अपने शरीर का विशेष ध्यान रखें और कुछ भी ऐसा ना करें, जिसके चलते आपको स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो। इसके साथ ही वायु रोग और जोड़ों के रोगों की भी समस्या होने के योग बनते नजर आ रहे हैं। यदि आप मधुमेह से पीड़ित हैं तो अपना ध्यान रखें, वरना दिक्कत बढ़ सकती है।

ज्योतिषीय उपाय

- किसी भी रविवार के दिन तांबे की मुद्रिका में उत्तम गुणवत्ता वाला माणिक्य रत्न धारण करें। इससे आपको कार्यक्षेत्र में उत्तम फल प्राप्त होंगे।
- इसके साथ ही आप रविवार के दिन नंदी को गेहूं अथवा आटे की लोई भी खिला सकते हैं। इससे आपको मेहनत के अनुसार अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे।
- किसी भी शनिवार के दिन सरसों के तेल में खुद की प्रतिमा को देखकर छाया दान करें। इससे आपको स्वास्थ्य कष्ट से मुक्ति मिलेगी।
- आप बृहस्पतिवार का व्रत भी रख सकते हैं। इस दौरान पीपल के पेड़ को छुए बिना जल चढ़ाएं और गरीबों को अन्न का दान करें।

कन्या राशि

आपकी सेहत के लिहाज से यह वर्ष अच्छा रहेगा। इसके साथ ही जब वर्ष के मध्य में गुरु बृहस्पति भी 6 अप्रैल से 15 सितंबर तक आपकी राशि के पंचम भाव में विराजमान होंगे, तब आपको केवल इस समय अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखने की ज़रूरत होगी। अन्यथा आपको मधुमेह, मूत्र जलन, तंत्र संबंधित रोग, जैसी परेशानियों से दो-चार होना पड़ सकता है। स्वास्थ्य राशि 2021 इंगित करता है कि आमाशय में दर्द तथा अपच और एसिडिटी की संभावना भी आपको साल भर परेशान करेगी। आपके लिए अप्रैल, अगस्त और सितंबर का समय स्वास्थ्य के लिए सबसे ज्यादा चिंताजनक प्रतीत रहने वाला है। इस समय जितना संभव हो खुद पर ध्यान दें।

ज्योतिषीय उपाय

- किसी भी बुधवार के दिन, अपनी कनिष्ठिका उंगली में उत्तम गुणवत्ता वाला पन्ना रत्न सोने की मुद्रिका में धारण करें। इससे आपको उत्तम फलों की प्राप्ति होगी।
- मंगल और बुध ग्रह को शांत करने के लिए हर मंगलवार के दिन थोड़ी साबुत मूंग की दाल भिगोकर, अगले दिन अपने दोनों हाथों से गौ माता को खिलाएं।
- संभव हो तो रोज़ाना अथवा हर शुक्रवार के दिन श्री दुर्गा चालीसा का पाठ करें। आपकी हर प्रकार की आर्थिक तंगी खत्म होगी।

तुला राशि

इस वर्ष तुला राशि के जातकों का स्वास्थ्य वर्ष 2021 में ज्यादा अच्छा दिखाई नहीं दे रहा है, क्योंकि इस वर्ष आपको विशेष सावधानी बरतने की जरूरत होगी, अन्यथा कोई रोग आपको परेशान कर सकता है। ऐसे में आपके लिए बेहतर होगा कि अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखते हुए ही हर प्रकार की छोटी-मोटी समस्याओं से अपने शरीर का बचाव करें। इस वर्ष छाया ग्रह राहु-केतु आपकी राशि से क्रमशः अष्टम और दूसरे भाव में उपस्थित होंगे, जो आपके स्वास्थ्य को सबसे ज्यादा प्रभावित करेंगे।

इसके साथ ही इस वर्ष बासी भोजन या तला-भुना भोजन खाने से परहेज करें, अन्यथा स्वास्थ्य परेशानी संभव है विशेष तौर से मार्च से अप्रैल में आपको अपना विशेष ध्यान रखना होगा, अन्यथा अपने खराब स्वास्थ्य के चलते आप किसी भी कार्य को सही से नहीं कर पाएंगे। अगस्त का महीना भी आपके स्वास्थ्य जीवन के लिए महत्वपूर्ण रहने वाला है।

ज्योतिषीय उपाय

- सदैव गौ सेवा करें और रोज़ाना उन्हें हरा चारा या आटे की लोई खिलाएं।
- इसके साथ ही शनि देव की शांति के लिए अपनी मध्यमा उंगली में पंचधातु अथवा अष्टधातु की अंगूठी में नीलम रत्न शनिवार के दिन धारण करें। इससे आपको अपने कार्यक्षेत्र में उन्नति की प्राप्ति भी होगी।
- किसी भी बुधवार के दिन एक पक्षियों के जोड़ों को पिंजरे से आज़ाद कर आप अपने भाग्य को मजबूती प्रदान कर सकते हैं।
- लकड़ी का कच्चा कोयला सिर से सात बार वार कर बहते हुए पानी में प्रवाहित करें। इससे आपको उत्तम फलों की प्राप्ति होगी।

वृश्चिक राशि

इस वर्ष स्वास्थ्य के नज़रिए से यह वर्ष आपको मिश्रित परिणाम देगा। लेकिन केतु के आपकी राशि में उपस्थित होने का प्रभाव आपकी परीक्षा लेते हुए, आपको बीच-बीच में शारीरिक कष्ट प्रदान करता रहेगा। ऐसे में अपने खान पान पर अधिक सावधानी बरतें और जितना संभव हो तला-भुना खाने से बचें क्योंकि इस साल आपको होने वाले रोग लंबे समय तक परेशान कर सकते हैं। इस समय के अलावा आपको साल भर अच्छे परिणाम हासिल होंगे।

ज्योतिषीय उपाय

- उत्तम गुणवत्ता वाला मूँगा रत्न पहनना आपके लिए शुभ रहेगा।
- संभव हो तो परिवार के साथ मिलकर अपने निवास स्थान पर रुद्राभिषेक पूजन आयोजित करें।
- तांबे के बर्तन में जल और कुछ दाने चीनी के मिलकर उस जल को रोज़ाना सुबह उगते हुए सूर्य देव को अर्पित करें। इससे आपको अपने करियर में आ रही हर समस्या से निजात मिलेगी।

धनु राशि

इस वर्ष आपका स्वास्थ्य जीवन पिछले वर्ष के अनुसार काफी बेहतर होगा। हालांकि शनि देव आपकी परीक्षा लेते हुए बीच-बीच में आपको कुछ कष्ट देते रहेंगे, लेकिन आपको कोई बड़ा रोग इस वर्ष नहीं होगा। इसके साथ ही आपके द्वादश भाव में केतु की दृष्टि, आपको बुखार, फोड़े-फुंसी या खांसी-जुखाम जैसी छोटी समस्याएं देंगी, लेकिन इनका असर आपके कार्य पर कभी नहीं पड़ेगा। ऐसे में आपके लिए बेहतर होगा कि किसी भी संक्रमण से खुद को बचाकर रखें। कुल मिलाकर देखें तो स्वास्थ्य के लिहाज से आपके लिए यह वर्ष सबसे बेहतर रहेगा। इससे आपको अंदर से खुशी और ताज़गी का एहसास होगा।

ज्योतिषीय उपाय

- तांबे की मुद्रिका में रविवार के दिन प्रातः 8:00 बजे से पहले माणिक्य रत्न अनामिका उंगली में धारण करना भी आपको शुभ फल देगा।
- तीन मुखी रुद्राक्ष से भी सकारात्मक फलों की प्राप्ति होगी, जिसे आप किसी भी मंगलवार के दिन धारण कर सकते हैं।
- हर शनिवार, सरसों के तेल और साबुत उड़द की दाल गरीबों और ज़रूरतमंदों को भेंट करें।
- बृहस्पतिवार के दिन उत्तम गुणवत्ता वाला पुखराज दोपहर 12:00 से 1:30 के मध्य में अपनी तर्जनी उंगली में सोने की अंगूठी में धारण करें। इससे आपको अच्छे फलों की प्राप्ति होगी।

मकर राशि

आपकी राशि के स्वामी ग्रह शनि देव आपको सेहतमंद रखेंगे। साथ ही शनि के आपके प्रथम भाव में विराजमान होने से आपके स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा और आप इस वर्ष अपने अच्छे स्वास्थ्य के साथ अपना जीवन व्यतीत करते दिखाई देंगे। शनि देव का शुभ प्रभाव सबसे ज्यादा इस वर्ष आपकी सेहत पर देखने को मिलेगा, इसलिए ही आप अपने किसी पुराने रोग से इस वर्ष मुक्ति पा सकेंगे। हालांकि वर्ष की शुरुआत में कुछ परेशानी हो सकती है, लेकिन शनि उन छोटी-छोटी समस्याओं से भी आपको समय के साथ निजात दिलाते रहेंगे। ऐसे में आपके लिए बेहतर होगा कि रोज योग या व्यायाम करें। साथ ही अच्छा खान-पान लेते हुए, जितना संभव हो खुद को तनाव मुक्त रखें।

ज्योतिषीय उपाय

- आपके लिए ओपल रत्न भी अनामिका उंगली में धारण करना लाभकारी सिद्ध होगा। इसे आप शुक्रवार के दिन चाँदी की मुद्रिका में पहन सकते हैं।
- प्रत्येक शुक्रवार 10 वर्ष से छोटी कन्याओं को सफेद मिठाई दें और उनसे आशीर्वाद प्राप्त करें।
- मंगल ग्रह की शांति के लिए किसी भी मंगलवार के दिन ज़रूरतमंद को रक्तदान करें।
- आपके लिए अनार का पेड़ दान करना भी उत्तम रहेगा।
- हर बुधवार के दिन साबुत मूंग की दाल, अपने हाथों से गाय को खिलाएं।

कुम्भ राशि

इस वर्ष राशिफल 2021 आपको ये स्पष्ट संकेत दे रहा है कि इस वर्ष कुम्भ राशि के जातकों को सेहत से जुड़ी कुछ परेशानी दर्द दे सकती है। संभावना है कि आपको पैरों में दर्द, गैस, एसिडिटी, जोड़ों में दर्द, अपाचे, सर्दी-जुकाम, जैसी समस्याएं साल भर परेशान करती रहें। मुख्य रूप से आपको अपने स्वास्थ्य का अप्रैल से सितंबर के मध्य में विशेष ध्यान रखना होगा।

ज्योतिषीय उपाय

- शुक्र ग्रह का रत्न हीरा अथवा उत्तम गुणवत्ता वाला ओपल किसी भी शुक्रवार के दिन धारण करें। इससे आपको अच्छे फलों की प्राप्ति होगी।
- ये रत्न आप चाँदी की अंगूठी में अनामिका उंगली में ही पहनें।
- यदि आपको स्वास्थ्य संबंधित कोई परेशानी है तो आप उसके लिए बिच्छू जड़ी अथवा धतूरे की जड़ को किसी भी शनिवार के दिन अपनी दाहिनी बाजू अथवा गले में धारण कर सकते हैं।
- शनिवार के दिन चींटियों को आटा डालना भी आपकी कई समस्याओं को दूर करेगा।

मीन राशि

स्वास्थ्य के लिहाज से सामान्य से बेहतर रहने वाला है क्योंकि इस वर्ष ग्रह स्थिति अनुकूल रहेगी, लेकिन आपको 6 अप्रैल से 15 सितंबर के मध्य थोड़ा ध्यान देने की ज़रूरत होगी। इस समय आपकी राशि के स्वामी गुरु बृहस्पति के द्वादश भाव में होने से आपको स्वास्थ्य हानि संभव है। इसके बाद स्थितियाँ बेहतर होगी और फिर दोबारा 20 नवंबर से साल के अंत तक आपको शारीरिक कष्ट होगा। ऐसे में इस समय खुद का विशेष ध्यान रखते हुए बाहर के खाने से परहेज करें।

ज्योतिषीय उपाय

- किसी भी बृहस्पतिवार के दिन विशेष रूप से 12:30 से 1:00 के मध्य उत्तम गुणवत्ता वाला पुखराज रत्न सोने की मुद्रिका में अपनी तर्जनी उंगली में धारण करें। इससे आपकी सभी स्वास्थ्य और कार्यक्षेत्र से जुड़ी समस्या दूर हो जाएगी।
 - आपके लिए हनुमान जी की आराधना और बजरंग बाण का पाठ करना बेहद शुभ रहेगा।
 - किसी भी शनिवार के दिन किसी मिट्टी अथवा लोहे के बर्तन में कच्चे सरसों का तेल भरे और उसमें अपनी प्रतिमा देखकर छाया दान करे ।
-